बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

यीशु बारह सहायकों को चुनता है

लेखक : Edward Hughes

व्याख्याकार : Byron Unger; Lazarus

अनुवाद : Suresh Kumar Masih

रूपान्तरकार : E. Frischbutter; Sarah S.

60 कहानियों में से 39 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

यीशु बहुत सारे अद्भुत कार्य किया। उन्होंने कहा, रोगों की चंगाइ दी, परेशान लोगों के दिल और दिमाग में शांति दी, और उनको परमेश्वर के वचन को सिखाया।

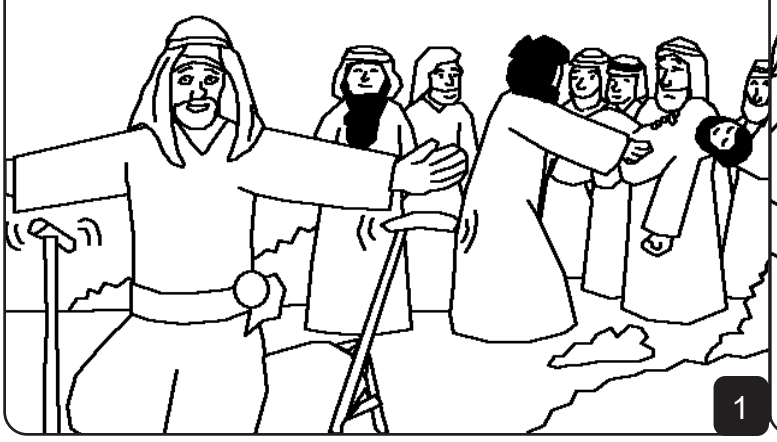

भीड़ की भीड़ सहायता और चंगाई के लिए यीशु के पास आया करती थी।

उन्होंने, उनके कई अनुयायियों में से बारह पुरुषों को चुनने का फैसला किया कि वे परमेश्वर के
काम में उसकी मदद करें।

3

यदि आपको महत्वपूर्ण निर्णय लेना हो तो क्या आप परमेश्वर से प्रार्थना करेंगे? यीशु ने ऐसा किया! एक शांत पहाड़ी जगह पर उन्होंने अपने स्वर्गीय पिता से बातें की सूरज के डूबने (सूर्यतः) तक यीशु ने प्रार्थना की।

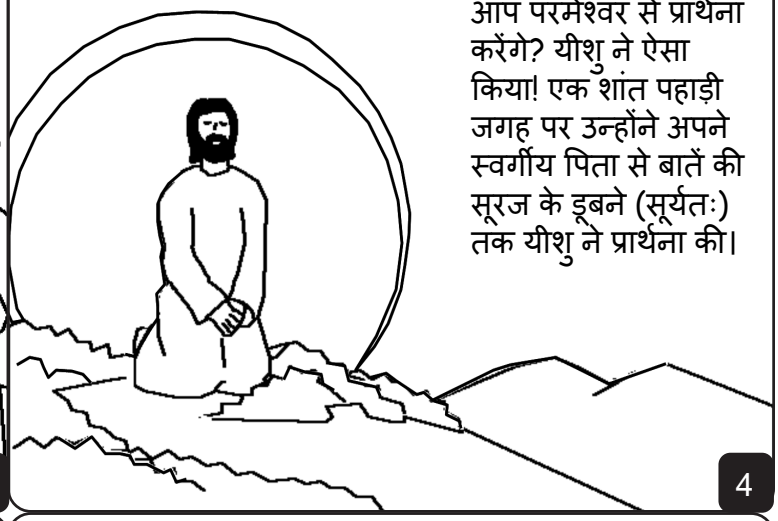

4

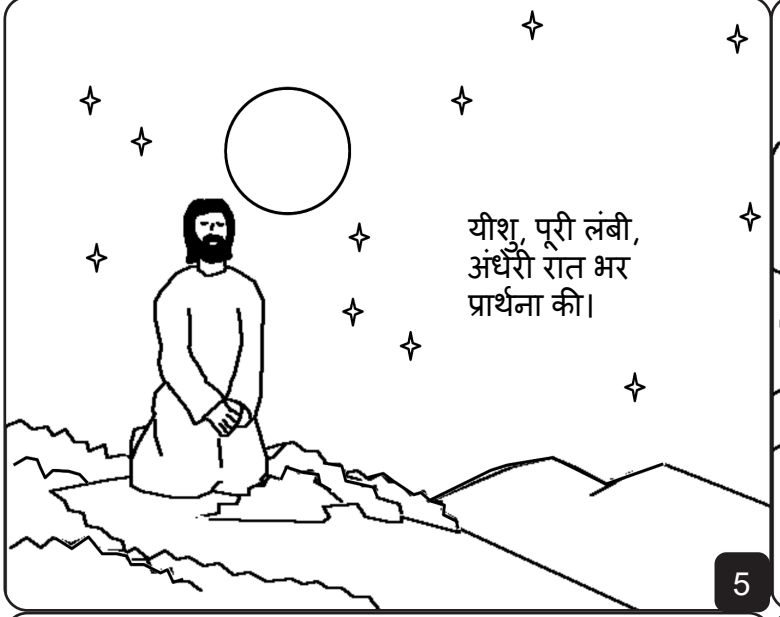

यीशु, पूरी लंबी, अंधेरी रात भर प्रार्थना की।

5

सुबह में, यीशु ने अपने सभी अनुयायियों को बुलाया - वे सभी दोस्त जो उसकी सेवा करते और बात मानते थे।

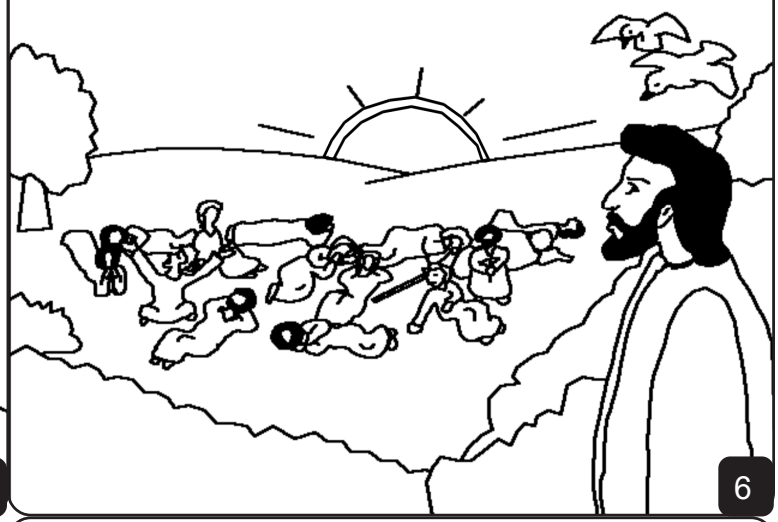

6

उनमें से वह बारहो को विशेष सहायक, या प्रेरित होने के लिए चुना।

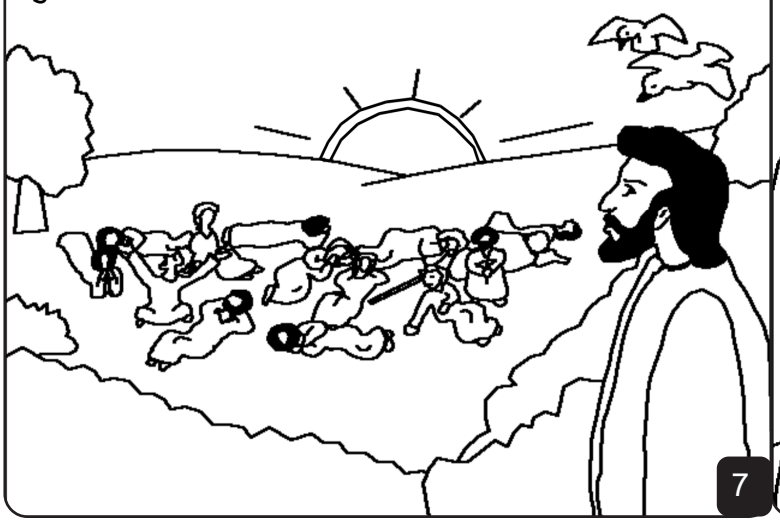

7

यीशु जिनको चुना उनमे से पहले दो, शमौन पतरस और अन्द्रियास भाई थे। जब यीशु ने पहले उनको अपने पीछे हो लेने (अनुसरण) करने को कहा वे अपने मछली पकड़ने के व्यवसाय को छोड़ दिए।

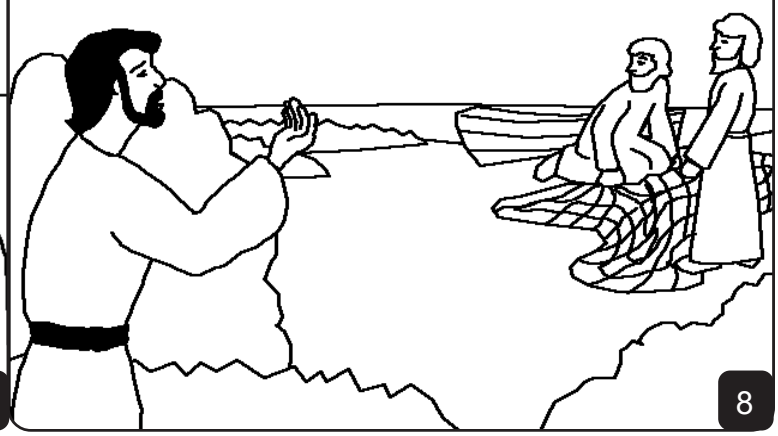

8

याकूब और यूहन्ना, जब्दी के पुत्र भी, उनके मछली पकड़ने की जाल छोड़ दिये।

9

यीशु ने फिलेप्पुस और बरतुलमै, और मत्ती और थोमा और हलफई का पुत्र याकूब और शमौन जो जेलोतेस कहलाता है। और याकूब का बेटा यहूदा और यहूदा इसकिरयोती, जो उसका पकड़वाने वाला बना, को भी चुना।

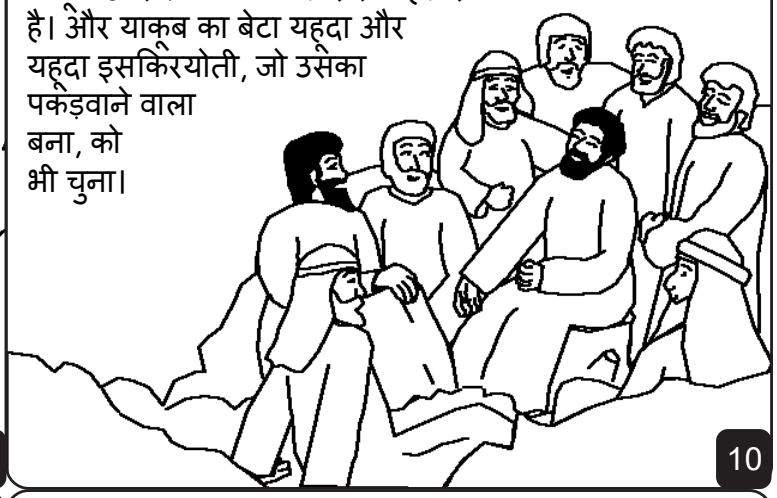

10

यीशु यह भी सिखाया, जो वह कहता है, उसका पालन करना एक ठोस नींव पर घर निर्माण की तरह है। भयंकर तूफान भी उस घर को नष्ट नहीं कर पायेगा।

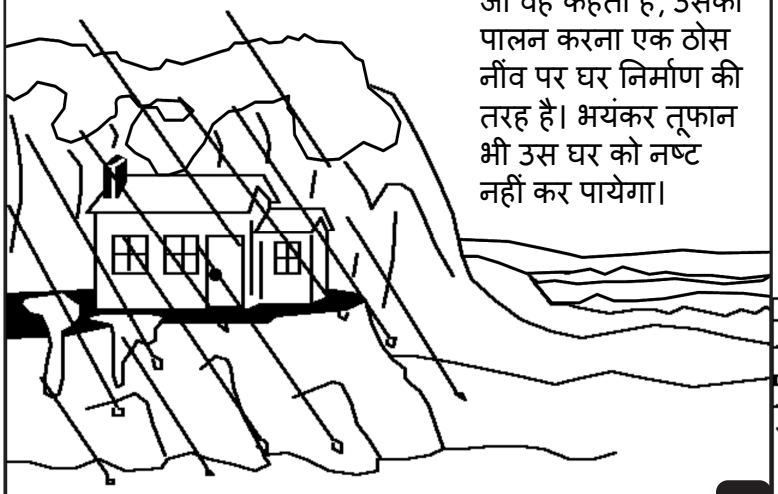

11

लेकिन, 'यीशु के वचन का पालन न करना एक रेतीले नींव पर घर के निर्माण की तरह है। जब तूफान आएगा, वह घर गिर जाएगा।

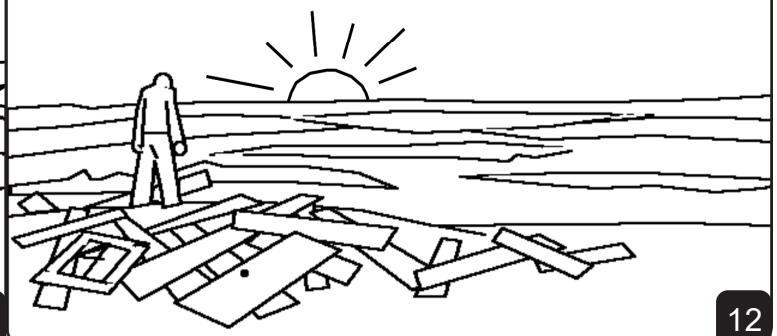

12

'यीशु के कुछ आदेश आसान नहीं थे। वह सिखाया, "यदि कोइ आपके दाहिने गाल पर थप्पड़ मारे, तो तुम अपना बाया गाल भी दे देना। अपने दुश्मनों को भी प्यार करो।" लोगो को यीशु की तरह जीने के लिए परमेश्वर की मदद की जरूरत है।

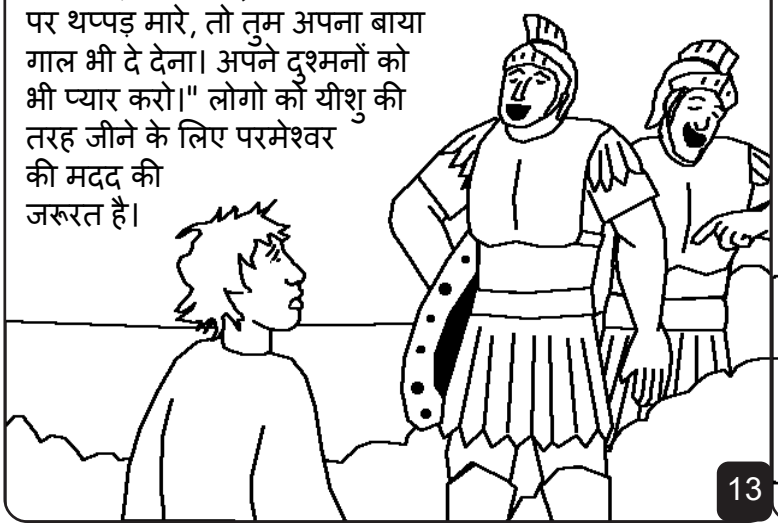

13

यीशु ने लोगों को गुप्त में प्रार्थना करने के लिए सिखाया - जैसे कुछ धार्मिक नेताए करते हैं, वैसा लोगों के सामने प्रार्थना दिखाने के लिए न करो।

14

यीशु ने कहा कि परमेश्वर पर जो विश्वास लाते है उन्हें वह खाना और कपड़ा भी प्रदान करता है।

15

परमेश्वर जब पक्षियों को भोजन देता है, झाड़ियों तथा फूलों को सुंदर रंग देता है तो, लोग भी अपनी सभी जरूरतों के लिए उस पर विश्वास कर सकते हैं।

16

उस दिन यीशु, उनके नए चुने सहायकों को बहुत कुछ सिखाया। उसका सीखाना जैसे ही समाप्त हुआ, एक कोढ़ी चंगा होने के लिए भीख मंगते हुवे यीशु के पास आया।

17

यीशु ने कहा, "मै चाहता हूँ, तु शुद्ध हो जा।" सहायकों के देखते देखते ही, कोढ़ी पूरी रीति से चंगा हो गया। वह चंगा हो गया! केवल परमेश्वर का बेटा ही ऐसा कर सकता है। सहायकों को पता था कि उनके साथ एक अद्भुत गुरु है।

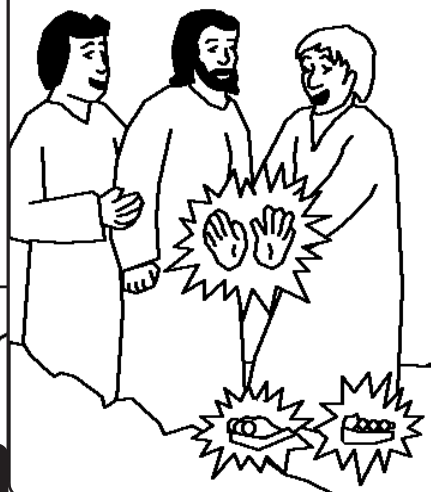

18

यीशु बारह सहायकों को चुनता है

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

मत्ती 4-7, मरकुस 1, लूका 6

"जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।"
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुन: स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुन: जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.